सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता निर्देशिका

CBSE Students Global Aptitude Index

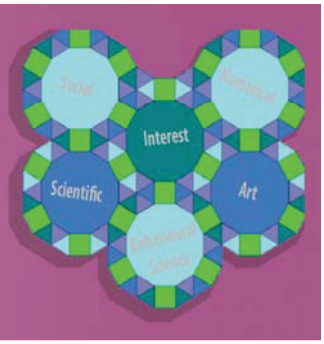

अभिक्षमता एक व्यक्ति की प्रतिभा, योग्यता या अंतर्निहित क्षमता को प्रतिबिम्बित करती है। अभिक्षमता परीक्षण छात्र–अनुकूल, एक विषेश क्रियाकलाप के लिए क्षमताओं का मूल्यांकन करने की सर्वत्र स्वीकार्य विधि है। अभिक्षमता परीक्षाएं भविष्य की शैक्षिक उपलब्धि, की विश्वसनीय भविष्यकर्ता के रूप में जानी जाती हैं क्योंकि वे एक छात्र की सक्षमता और कमजोरियों की एक रूपरेखा उपलब्ध कराती हैं।

सीबीएसई ने **छात्र सार्वभौम अभिक्षमता निर्देशिका (एसजीएआई)** को छात्रों की रूचि के साथ संयोजित कर अभिरूचि को आंकने के लिए डिजाइन किया है। सीबीएसई एसजीएआई माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए है और स्कूलों एवं छात्रों के लिए वैकल्पिक है।

सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता निर्देशिका (एसजीएआई) की मुख्य बातें

यद्यपि व्यक्तिगत रूचि और योग्यताओं को पहचानने में छात्र की सहायता के लिए अनेक अभिक्षमता जांच टेस्ट पहले से प्रचलन में है। फिर भीः

1. सीबीएसई एसजीएआई अभिक्षमता परीक्षाओं की एक टैस्ट बैटरी है जो एक छात्र की रूचि प्रोफाइल को भी संघटित करती है।
2. सीबीएसई से संबद्ध प्राईवेट, सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में भारतीय संदर्भ और छात्र समुदाय की विविधता से मेल रखते हुए इसे बनाया गया है।
3. पारम्परिक अभिक्षमता परीक्षाएं व्यावसायिक अभिमुखीकरणों को दर्शाती है परंतु सीबीएसई एसजीएआई +2वीं स्तर पर विषय अभिमुखीकरणों को दर्शाएंगी।

Aptitude reflects the inherent capacity, talent or ability of an individual. Aptitude testing is a student-friendly, universally accepted mode of rating capabilities for a particular activity. Aptitude tests are known to be reliable predictors of future scholastic achievement as they provide a profile of strengths and weaknesses of a student.

CBSE has designed the **Students Global Aptitude Index (SGAI)** to measure student's aptitude in combination with the interest. The CBSE SGAI is meant for students of secondary classes and is **optional** for schools and students.

Highlights of CBSE Students Global Aptitude Index (SGAI)

Although a variety of aptitude screening tests are already in vogue to help the student identify personal interests and vocations, yet:

1. CBSE SGAI is a battery of Aptitude Tests which also combines Interest profile of a student.
2. It has been customized to suit the Indian context and variety of student population in CBSE affiliated Private, Government and Aided Schools.
3. Unlike the conventional Aptitude Tests, which indicate professional orientations the CBSE SGAI will indicate subject orientations at +2 level.

4. सीबीएसई एसजीएआई माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों के लिए है। यह किशोर अवस्था के प्रारम्भ और जीविका संकल्पना की शुरूआत के साथ होता है (यद्यपि ठोस रूप में नहीं) इस प्रकार बच्चें को एक रोडमैप प्रदान करना अनिवार्य है जो वास्तविक और उपयुक्त हो।

5. एसजीएआई का उद्देश्य बच्चे को अभिक्षमता और रूचि के अर्थ में विद्यार्थी को **''आत्मज्ञान''** से सशक्त करना है, ताकि बच्चा सही विषय चयन कर सके।

6. चूंकि सीबीएसई एसएजीआई का तात्पर्य अभिक्षमता और रूचि के बीच बेमेल को कम करना है, यहः

   - बच्चों की कार्यक्षमता और संतुष्टि को बढ़ाने में,
   - अभिप्रेरणा में बढ़ोतरी करने में तथा
   - मानवीय और वित्तीय संसाधनों की क्षति को कम करने में सहायक होगा

एसजीएआईःव्याख्या

सीबीएसई एसजीएआई एक टैस्ट बैटरी है जिसे सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त स्कूलों में 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए तैयार किया गया है। यह एक सामान्य लिखित (पेपर और पेंसिल) परीक्षा है जिसकी अवधि लगभग दो–ढ़ाई घण्टे है। अध्यापकों के लिए निर्धारण और व्याख्या को कम जटिल करने का प्रयास किया गया है। निर्धारण मोटे तौर पर :

- वैज्ञानिक अभिक्षमता
- संख्यात्मक अभिक्षमता
- समाजिक अभिक्षमता
- व्यावहारिक विज्ञान
- कला अभिक्षमता और
- रूचि क्षेत्र दर्शाता है

कार्यप्रणाली

एक प्रश्नावली के द्वारा विद्यालयों में एक यादृच्छिक सर्वेक्षण मुख्यतः अंदाजा लगाने के लिए किया गया था, कि क्या स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों को अभिक्षमता

4. The CBSE SGAI is meant for students of secondary classes. This coincides with the onset of adolescence and beginning of career concepts (although not in the concrete form). It is therefore crucial to give a road map to the child which is realistic and favorable.

5. SGAI is aimed to empower a child with **"self knowledge"** in terms of the Aptitude and Interest, to enable the child in making informed subjects choices.

6. Since CBSE SGAI purports to reduce the mismatch between the Aptitude and the Interest it will further help in :

   - Optimizing the child potential and enhance satisfaction
   - Increasing motivation
   - Reducing wastage of human and financial resources

SGAI : Description

CBSE SGAI is a battery of tests, designed for students pursuing class X in CBSE affiliated schools. It is a simple paper and pencil test, which requires approximately 2 – 2½ hours. Due care has been taken to make the assessment and interpretation less complicated for the teachers. The assessment broadly indicates:

- Scientific Aptitude
- Numerical Aptitude
- Social Aptitude
- Behavioral Science Aptitude
- Art Aptitude and
- Interest areas

Methodology

A random survey was conducted in schools by devising a questionnaire to primarily gauge whether the schools, parents and students

परीक्षाओं का ज्ञान था और ये परीक्षाएं किस स्तर पर आयोजित होनी चाहिए एवं अभिभावकों का अभिक्षमता और परीक्षाओं के बारे में क्या दृष्टिकोण था। प्राप्त प्रतिक्रियाओं का मनःचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों, मनोमिति के विशेशज्ञों एवं व्यवहारकुशल परामर्शदाताओं के एक ग्रुप द्वारा अध्ययन किया गया। अभिक्षमता परीक्षा और रूचि परीक्षा की एक बैटरी तैयार करने का निर्णय लिया जिसे सीबीएसई अनुयायियों के अनुरूप उपयुक्त बनाया जाएगा।

पायलट परीक्षा

सीबीएसई एसजीएआई की प्रायोगिक परीक्षा देश के भिन्न–2 भागों में सीबीएसई से संबद्ध 100 गैरसरकारी, सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए नमूने के तौर पर तैयार की गई।

पूर्व–जांच अध्यापक प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास

- चयनित स्कूलों से दो अध्यापकों और एक परामर्शदाता को प्रशिक्षित और अभिमुख करने के लिए छह अभिविन्यास कार्यशालाएं नवम्बर से दिसम्बर– 2009 के बीच आयोजित की गई थी।
- ये कार्यशालाएं दिल्ली, भोपाल, भुवनेश्वर, हैदराबाद, चण्डीगढ़ और मुम्बई में कराई गई थी। सहभागियों को टेस्ट बैटरी के आयोजन और मूलाधार के बारे में अवगत कराया गया । सहभागियों के साथ स्कोरिंग के बारे में भी चर्चा की गई ।
- स्कूलों को परीक्षा का आयोजन करने और विश्लेषण के लिए बोर्ड को प्रतिक्रियाएं भेजने की समय सीमा दी गई थी ।
- प्राप्त परिणामों का एक विशेशज्ञ एजेंसी द्वारा विश्लेषण किया गया और इसके आधार पर परीक्षा में बदलाव किए गए ।

were aware of Aptitude Tests, at what stage these tests should be conducted and parents attitude towards Aptitude Tests. The responses received were studied by a group comprising of psychiatrists, psychologists, experts in Psychometrics and practicing counselors. It was decided to construct a battery of Aptitude Tests and an Interest test which will be customized to suit the CBSE clientele.

The Pilot Test

The CBSE SGAI has been pilot tested on a sample of secondary level students drawn from 100 CBSE affiliated Private, Government and Aided Schools from different parts of the country.

Pre-Trial Teacher Training and Orientation

- Six orientation workshops were conducted between November–December 2009 to orient and train two teachers and one counselor from the selected schools.
- These workshops were held in Delhi, Bhopal Bhubaneswar, Hyderabad, Chandigarh and Mumbai.
- The participants were made aware of the rationale and the actual conduct of the test batteries. The details of scoring were also discussed with the participants.
- Time lines were given to the schools to conduct the test and send the responses to the board for analysis.
- The results obtained were put to item analysis done by a specialized agency and based on that changes were made in the test.

प्रशिक्षण और पक्ष समर्थन (एडवोकेसी) सामग्री

मानसिक तैयारी और वातावरण तैयार करने के लिए अभिक्षमता और निर्धारण के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु अभिभावकों और छात्रों के लिए प्रशिक्षण, नियमावलियां, साहित्य और एफ ए क्यू तैयार किए गए ।

Training and Advocacy Material

For the mental preparedness and climate building, Training Manuals, Literature and FAQ's for parents and students were prepared to generate awareness about Aptitude and benefits of Assessment.

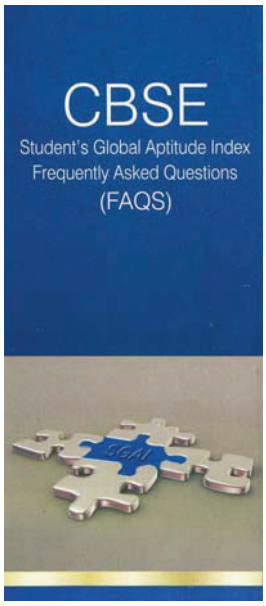

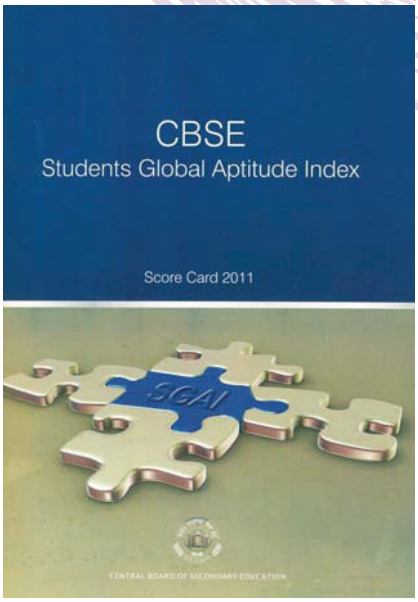

सीबीएसई एसजीएआई विद्यालयों के लिए वैकल्पिक है, हालांकि बोर्ड ने प्रधानाचार्यों और अध्यापकों को इस नई संकल्पना और इसके संचालन के साथ अनुकूल बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया। ये इन प्रधानाचार्यों, अध्यापकों और परामर्शदाताओं ने सीबीएसई एसजीएआई के बारे में छात्रों और अभिभावकों को अवगत कराया।

The CBSE SGAI is optional for the schools, however, the board conducted training workshops to familiarize the principals and teachers with this new concept as well as its administration. These principals, teachers and counselors in turn advocated and educated students and parents about the CBSE SGAI.

माइक्रो पायलट टेस्ट

प्रथम परीक्षण के विश्लेशण के बाद और भाग लेने वाले अध्यापकों और परामर्शदाताओं से पूर्व और पश्च परीक्षण प्रतिपुष्टि के बाद टैस्ट में संशोधन किया गया था और इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए दूसरा माइक्रो परीक्षण रखा गया ।

The Micro Pilot Test

After the analysis of first trial and the Pre and Post trial feedback from participating teachers and counselors, the test was modified and put to a second micro trial to ascertain the efficacy.

परिशोधित एसजीएआई सामग्रीः प्रतिपुष्टि और दूसरे पायलट परीक्षण के बाद अन्तिम कार्यान्वयन के लिए सीबीएसई एसजीएआई सामग्री को परिशोधित किया गया।

तत्कालिक प्रचार और सीबीएसई एसजीएआई के बारे में जानने के लिए अध्यापक नियमावली सभी भागीदार स्कूलों को भेजी गई। अभिभावकों और छात्रों के साथ संवाद शुरू करने और कक्षा 10वीं के बाद एक अनुकूल चयन के लिए वातावरण तैयार करने हेतु अध्यापक नियमावली विशेष रूप से तैयार की गई।

बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) भी समझ पैदा करने और संदेह दूर करने के लिए भेजे गए।

प्रथम सीबीएसई एसजीएआई 2011 के लिए नामांकन

प्रथम सीबीएसई एसजीएआई 22 जनवरी 2011 को आयोजित किया गया। 3225 स्कूलों से लगभग 212466 छात्रों ने इस आकलन में भाग लिया। **इनमें से भारत में 3134 स्कूल थे जबकि खाड़ी और जापान सहित 91 विदेशों के स्कूल शामिल थे।**

अंक और निर्वचन

अध्यापकों के लिए एक प्रयोक्ता अनुकूल स्टेन्सिल फॉर्मेट में **स्कोरिंग 'की'** डिजाइन की गई। स्कोरिंग और निर्वचन प्रणाली के बारे में सभी भाग लेने वाले स्कूलों को भेजे गए परिपत्र में बताया गया।

बोर्ड ने प्रत्येक छात्र के भरने के लिए एक **स्कोर कार्ड** उपलब्ध कराया है। स्कूलों को निर्धारण रिपोर्ट तैयार करनी है और उन्हें सीबीएसई को प्रस्तुत करना है।

रिकार्ड

स्कूलों को उन सभी छात्रों का रिकार्ड रखने के लिए कहा जिन्होंने सीबीएसई एसजीएआई 2011 को चुना रिकार्ड निर्धारित फॉर्मेट में तैयार कर फरवरी 2011 तक बोर्ड को भेजना था।

SGAI Revised Material: Subsequent to the feedback and second pilot testing the CBSE SGAI material was revised before final implementation.

Teacher's Manual was sent to all participating schools for instant dissemination and familiarization with the CBSE SGAI. Teachers Manual has been specially prepared to start dialogue with Parents and Students and to enable climate building for making an informed choice after class X. Schools were expected and advised to preferably conduct activities given in the manual prior to CBSE-SGAI.

Frequently Asked Questions (FAQ's) were also sent to create understanding and dispel any doubts.

Enrolment for First CBSE SGAI-2011

The first CBSE-SGAI was held on 22nd January 2011. Approximately, 212466 students from 3225 schools took part in assessment. **Out of this there were 3134 schools in India while there were 91 schools overseas including Gulf and Japan.**

Scoring and Interpretation

The scoring keys have been designed in a user friendly stencil format for the teachers. Method of scoring and interpretation was explained in detailed circular sent to all participating schools.

Score Card has been provided by the board to be filled up for each student. Schools were required to prepare assessment reports and submit them to CBSE.

Record Keeping

Schools were asked to keep record of all students who opted for CBSE SGAI 2011 and had send them to the board in prescribed format by February 2011.

छात्रवृत्ति योजनाएं

Merit Scholarship Schemes

सीबीएसई उन मेधावी एकल बालिका छात्राओं को मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान करता है जो अपने माता–पिता की एक मात्र संतान हैं तथा जिन्होने सीबीएसई की कक्षा–10 परीक्षा मे 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो और कक्षा–11 तथा 12 में अध्ययन जारी रख रही हो। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने में माता–पिता के प्रयासों का सम्मान करना तथा मेधावी छात्राओं का उत्साहवर्धन करना है।

वर्ष 2008 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई केन्द्रीय सेक्टर छात्रवृत्ति योजना के लिए सीबीएसई से सम्बद्ध ता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थी भी पात्र है। निम्न आय वाले मेघावी छात्रों को कक्षा 12 के परिणाम के आधार पर हर वर्ष 82000 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। न्यूनतम विच्छेदक (कट ऑफ) 80 प्रतिशत अंकों के आधार पर छात्रवृत्ति की कुल संख्या को राज्य बोर्डों, सीबीएसई, आईसीएसई में विभाजित किया जाता हैं। एक बोर्ड को आवंटित छात्रवृत्तियों की संख्या को विज्ञान, वाणिज्य तथा मानविकी शाखाओं में उत्तीर्ण होने वालों के मध्य 3:2:1 के अनुपात में वितरित किया जाता है। छात्रवृत्ति की दर स्नातक स्तर पर महाविद्यालय/विश्वविद्यालय कोर्सों के पहले तीन वर्षों के लिए रू0 1000/–प्रतिमाह तथा स्नातकोत्तर स्तर पर रू0 2000/–प्रतिमाह है। व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्र चौथे तथा पांचवें वर्ष में रू0 2000/–प्रतिमाह की दर से प्राप्त करेंगे। एक शैक्षणिक वर्ष में छात्रवृत्ति 10 माह के लिए प्रदान की जाती है।

The Central Board of Secondary Education awards a Merit Scholarship for the meritorious Single Girl students, who are the only child of their parents and have passed the CBSE Class X Examination with 60%/ 6.2 CGPA or more marks/ grades and are continuing their further school education of Class XI and XII. The scheme is aimed to recognise the efforts of the parents in promoting education among girls and to provide encouragement to meritorious students.

From 2008, students of CBSE affiliated schools are also eligible for the Central Sector Scheme of Scholarship introduced by the Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education. 82000 scholarships per year are awarded for graduate/ post graduate studies to meritorious students from low income families on the basis of Class XII results. Based on the minimum cut off (80 percentile marks), the total numbers of scholarships are divided among the State Boards, CBSE and ICSE. The numbers of scholarships allotted to the Board are distributed among the pass outs of Science, Commerce and Humanities Streams in the ratio of 3:2:1. The rate of scholarship is Rs. 1,000/- per month at graduation level for first three years of College & University courses and Rs. 2,000/- per month at Post Graduation level. Students pursuing professional courses would get Rs. 2,000/- per month in the 4th and 5th year. The scholarship is paid for 10 months in an academic year.

वर्ष 2010–2011 के दौरान प्रदान की गई छात्रवृत्ति तथा वितरित की गई राशि का विवरण

क्रम सं.	छात्रवृत्ति योजनाएं	प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या	छात्रवृत्ति की स्वीकृत राशि (रूपयों में)
1	एकल बालिका X - 2010	प्रक्रियाधीन	–
2.	पूर्व स्नातक 2010	प्रक्रियाधीन	–
3.	एआईईईई, 2010	प्रक्रियाधीन	–
4.	एआईपीएमटी, 2010	प्रक्रियाधीन	

Details of Scholarships Awarded and Amount Disbursed during the year 2010 – 2011

Sl.No.	Scholarship Schemes	No. of Scholarships Awarded	Scholarship Amount Sanctioned (in Rupees)
1	Single Girl Child X - 2010	Under Process	-
2	Under Graduate 2010	Under Process	-
3	AIEEE 2010	Under Process	-
4	AIPMT 2010	Under Process	

वर्ष 2010–2011 के दौरान नवीकृत छात्रवृत्तियों का विवरण

क्रम सं.	छात्रवृत्ति योजनाएं		नवीकरण छात्रवृत्ति की संख्या	स्वीकृत छात्रवृत्ति राशि (रूपये में)
1.	एकल बालिका X - 2008	प्रक्रियाधीन		–
2	पूर्व स्नातक			
	वर्ष 2008	140		
	वर्ष 2009	167	307	18,42,000/–
3.	एआईईईई			
	वर्ष 2007	232		
	वर्ष 2008	261		
	वर्ष 2009	263	756	90,72,000/–
4	एआईपीएमटी			
	वर्ष 2007	066		
	वर्ष 2008	063		
	वर्ष 2009	149	278	33,36,000/–
	कुल		1341	1,42,50,000/–

Details of Scholarships Renewed and Amount Disbursed during the year 2010 – 2011

Sl.No.	Scholarship Schemes		No. of Scholarships Renewed	Scholarship Amount Sanctioned (in Rupees)
1	Single Girl Child X - 2008	Under Process		-
2	Under Graduate			
	Year 2008	140		
	Year 2009	167	307	18,42,000/-
3	AIEEE			
	Year 2007	232		
	Year 2008	261		
	Year 2009	263	756	90,72,000/-
4	AIPMT			
	Year 2007	066		
	Year 2008	063		
	Year 2009	149	278	33,36,000/-
	Total		1341	1,42,50,000/-

बोर्ड की वित्तीय समिति एवं शासी निकाय द्वारा 23.12.2009 को विधिवित रूप से अनुमोदन किए जाने के बाद बोर्ड ने वर्ष 2010–2011 से आगे व्यावसायिक अध्ययन एवं अवर स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति योजना समाप्त कर दी है। बोर्ड के नियंत्रक प्राधिकारी अर्थात

The Board has discontinued the CBSE Merit scholarship Schemes for Professional Studies and Under Graduate courses w.e.f. the year 2010–2011 onwards duly approved by the Board's Finance Committee & Governing Body dated 23rd December 2009. Intimation to the

मानव संसाधन विकास मंत्रालय को इस कार्यालय के दिनांक 18 जून, 2010 के पत्र सं सीबीएसई/छात्रवृत्ति/2010/7073 के द्वारा पहले ही सूचित कर दिया गया है। एसे छात्र जिन्हें पिछले वर्षों के दौरान व्यावसायिक तथा अवर स्नातक अध्ययन के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, योजना में की गई व्यवस्था के अनुसार छात्रवृत्ति के नवीकरण के लिए पात्र हैं।

केन्द्रीय सेक्टर छात्रवृत्ति योजना (सीएसएसएस) के तहत महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को प्रदान की गई छात्रवृत्तियों का विवरण–2010

क्रम सं.	योजनाएं	प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या	स्वीकृत राशि (रूपयों में)
1.	सीएसएसएस–2010	प्रक्रियाधीन	

केन्द्रीय सेक्टर छात्रवृत्ति योजना (सीएसएसएस) के तहत महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए नवीकृत छात्रवृत्तियों का विवरण एवं वितरित राशि

क्रम सं.	योजनाएं	प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या	स्वीकृत राशि (रूपयों में)
1	सीएसएसएस 2008	463	46,30,000/–
	नवीकरण 2009	प्रक्रियाधीन	
	नवीकरण 2010	प्रक्रियाधीन	
2	सीएसएसएस नवीकरण 2010	प्रक्रियाधीन	
	कूल	**463**	**46,30,000/–**

Controlling Authority of the Board i.e. MHRD has already been provided vide this Office letter No. CBSE/Scholarship/2010/7073 dated 18th June 2010. The students who have been awarded the CBSE Merit scholarship Schemes for Professional and Under Graduate studies during previous years would continue to the eligible for the renewal of scholarship as provided under the scheme.

Details of Scholarships Awarded under the Central Sector Scheme of Scholarship (CSSS) for College and University Students – 2010

Sl.No.	Schemes	No. of Scholarships Awarded	Amount Sanctioned (in Rupees)
1	CSSS 2010	Under Process	

Details of Scholarships Renewed under the Central Sector Scheme of Scholarship (CSSS) for College and University Students & Amount Disbursed

Sl.No.	Schemes	No. of Scholarships Awarded	Amount Sanctioned (in Rupees)
1	CSSS 2008	463	46,30,000/-
	Renewal year 2009	Under Process	
	Renewal year 2010	Under Process	
2	CSSS 2009 Renewal year 2010	Under Process	
	Total	**463**	**46,30,000/-**

शैक्षणिक क्रियाकलाप
Academic Activities

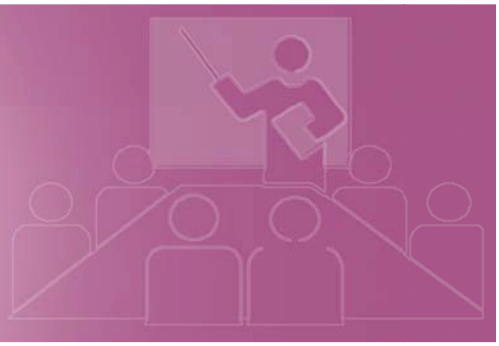

सीसीई से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशालाएं

सीबीएसई से संबद्ध लगभग 11,511 सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य स्वतंत्र विद्यालय हैं।

सभी विद्यालयों में सीसीई मे प्रशिक्षण देने के लिये मास्टर प्रशिक्षकों का सृजन किया गया है। मास्टर प्रशिक्षक छह घंटे के प्रशिक्षण मापांक में प्रत्येक विद्यालय के एक प्रधानाचार्य और 2 शिक्षकों को प्रशिक्षित कर रहे है।

कार्यशालाओं के उद्देश्य

- कक्षा IX और X के लिए परिशोधित शिक्षक मैनुअल और सीसीई के संबंध में कक्षा VI - VIII के लिए शिक्षक मैनुअल से संबंधित जानकारी देना।
- कक्षा X के रचनात्मक निर्धारण मैनुअलों के संबंध में प्रधानाचार्यों और शिक्षकों में जानकारी देना।
- विद्यालय आधारित निर्धारण और सीसीई योजना के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।
- सीसीई योजना के तहत रचनात्मक और सारांशात्मक निर्धारण के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।
- सारांशात्मक निर्धारण की विधि और परीक्षा संरचना की जानकारी देना।
- सीसीई कार्ड भरने के लिए निर्धारण के साधन और तकनीकों के प्रयोग के लिए जागरूकता उत्पन्न करना।

Training Workshops under CCE

The CBSE has about 11,511 affiliated Government, Govt. aided, Kendriya Vidyalaya, Navodaya Vidyalaya and other independent schools.

The CCE training of all the schools is being done by Creating of Master Trainers. The Master Trainers then train one principal and two teachers of a school in a six hours training module.

The Objectives of the Workshops

- To create awareness regarding the Revised Teachers Manual for Classes IX & X and the Teachers Manual regarding CCE for Classes VI-VIII.
- To advocate among principals and teachers awareness regarding the Formative Assessment Manuals of Class X.
- To create awareness regarding the School Based Assessment and CCE Scheme
- To create awareness about the Formative and Summative Assessments under the CCE.
- To share the examination structure and the mode of Summative Assessment
- To create awareness regarding using Tools and Techniques of Assessment for filling in the CCE Card.

- सह–शैक्षिक कौशलों मे विद्यार्थियों का आंकलन करने के लिए चिंताओं को दूर करना।
- सीसीई योजना लागू करने में विद्यालय विशिष्ट मामलों का समाधान करना।
- सारांशात्मक निर्धारण के लिए प्रश्न बैंक तैयार करने के अभ्यास में भाग लेने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करना।
- निर्धारणों के साक्ष्य के माध्यम से ढांचा तैयार करने और नियमन के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना।

- To address concerns regarding assessing the students in Co-Scholastic Skills.
- To address school specific issues in implementing the CCE scheme.
- To motivate teachers to participate in the exercise of preparing Question Banks for Summative Assessments.
- To create awareness regarding Mentoring framework and Moderation through Evidence of Assessments.

मानीटरन और परामर्शी (मेंटरिंग) कार्यक्रम
Monitoring & Mentoring Programmes

क्षेत्र Region	स्थल Venue	कार्यशाला तिथि Workshop Dates	मानीटर की संख्या No. of Monitors
गुवाहाटी Guwahati	एमवीएम, गुवाहाटी MVM, Guwahati	17.04.2010	27
पंचकुला Panchkula	डीएवी, यूनिट 8, चण्डीगढ DAV, Unit 8, Chandigarh	29.04.2010	100
भुवनेश्वर Bhubaneswar	एपीजे स्कूल, कोलकाता Apeejay School, Kolkata	30.04.2010	23
इलाहाबाद Allahabad	आर्मी स्कूल, इलाहाबाद Army School, Allahabad	08.05.2010	26
अजमेर और चेन्नई Ajmer & Chennai	नवरचना हायर सैकेण्डरी स्कूल, वड़ोदरा Navrachna Higher Sec School, Vadodara	14.05.2010	16
इलाहाबाद Allahabad	स्कोलर्स होम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल,देहरादून Scholars Home Senior Secondary School, Dehradun	10.07.2010	27
चेन्नई Chennai	डीएवी पब्लिक स्कूल, मुम्बई DAV Public School, Mumbai	09.07.2010	17
चेन्नई Chennai	एसएसवीएम कोयम्बटूर SSVM World School, Coimbatore	10.07.2010	31
इलाहाबाद Allahabad	जयसीज पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर Jaycees Public School, Rudhrapur	09.07.2010	28
अजमेर Ajmer	राजीव गांधी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, भोपाल Rajiv Gandhi Senior Sec. School, Bhopal	03.07.2010	26
इलाहाबाद Allahabad	लाल दयाल पब्लिक स्कूल, खतौली Lal Dayal public School, Khatauli	14.07.2010	34

मिलेनियम पब्लिक स्कूल, लखनऊ Millennium Public School, Lucknow	05.08.2010	56
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद, वसुन्धरा Delhi Public School, Ghaziabad, Vasundhara	14.09.2010	34
कोठारी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा Kothari International School, Noida	22.09.2010	50
सेंटर पॉईंट स्कूल, नागपुर Centre Point School, Nagpur	28.09.2010	50
दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई, छत्तीसगढ़ Delhi Public School, Bhilai, Chhatisgarh	12.10.2010	38
स्कोलर्स होम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल,देहरादून Scholars Home Senior Secondary School, Dehradun	21.10.2010	29
बी.बी.यू.एल जैन विद्यालय, बंगलूरू B. B. U. L. Jain Vidyalaya, Bangluru	25.10.2010	66
केम्बरिज इंटरनेशनल स्कूल, जालंधर Cambridge International School, Jalandhar	08.11.2010	85
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुवाहाटी Delhi Public School, Guwahati	15.11.2010	43
इंदौर पब्लिक स्कूल, इंदौर Indore Public School, Indore	22.11.2010	49
दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना Delhi Public School, Patna	29.11.2010	60
स्प्रींग डेल स्कूल, जयपुर Springdales School, Jaipur	08.02.2011	50
डीएवी स्कूल, चन्द्रशेखरपुर, भुवनेश्वर DAV School, Chandershekharpur, Bhubaneswar	15.02.2011	60

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के लिए
For Government Schools of Delhi

क्रम सं. S. No.	जिला District	स्थान Venue	दिनांक Date	मेंटर प्रशिक्षित Mentors Trained
1	नोर्थ वेस्ट–ए North West-A	जीजीएसएसएस एपी ब्लॉक शालीमार बाग GGSSS AP Block Shalimar Bagh	29-09-2010	37
2	नोर्थ वेस्ट–ए North West-B	एस. कॉ. एड विद्यालय एफयू ब्ल्लॉक पीतमपुरा दिल्ली S. Co.Ed Vidyalaya FU Block Pitam Pura Delhi	29-09-2010	44
3	साउथ वेस्ट–ए South West-A	गुरू हरकिषन पब्लिक स्कूल वंसत विहार Guru Harkishan Public School Vasant Vihar	29-09-2010	17
4	सेंटर/नई दिल्ली Central/ New Delhi	सर्वोदय बाल विद्यालय, राउज एवेन्यू Sarvodaya Bal Vidyalaya, Rouse Avenue	29-09-2010	24
5	वेस्ट–ए West-A	आर पी वी वी हरि नगर R P V V Hari Nagar	30-09-2010	28
6	वेस्ट–बी West-B	एसबीवी 'ए' ब्लॉक विकास पुरी SBV 'A' Block Vikas Puri	30-09-2010	25
7	साउथ South	वीर सावरकर एसकेवी न01 कालका जी Veer Savarkar Skv No-I Kalka Ji	30-09-2010	45
8	साउथ वेस्ट–बी South West-B	डीडीई कार्यालय कम्पलैक्स हॉल, नजफगढ़ DDE Office Complex Hall, Najafgarh	30-09-2010	26
9	ईस्ट East	आर.पी.वी सूरजमल विहार R.P.V Surajmal Vihar	01-10-2010	40
10	नार्थ ईस्ट North East	जीबीएसएसएस जे एण्ड के ब्लॉक दिलशादगार्डन GBSSS J & K Block Dilshad Garden	01-10-2010	37
11	नार्थ North	एसकेवी गुलाबी बाग SKV Gulabi Bagh	01-10-2010	27
	कुल परामर्शदाता (मेंटर) प्रशिक्षित **Total Mentors Trained**			**350**

दिसम्बर 2010 से जनवरी 2011 तक केन्द्रीय विद्यालय
December 2010 to January 2011 Kendriya Vidyalayas

क्र. सं. S. No.	स्थान Venue	दिनांक Date	मेंटर प्रशिक्षित Mentors Trained
1	केन्द्रीय विद्यालय, अशोक नगर, चेन्नई Kendriya Vidyalaya, Ashok Nagar, Chennai	24-12-2010	35
2	केन्द्रीय विद्यालय, बालुगुंगे, बालीगंज, कोलकता Kendriya Vidyalaya, Ballugunge, Ballygunge, Kolkata	10-01-2011	46
3	केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी कैम्पस, पोवई मुम्बई Kendriya Vidyalaya, IIT Campus, Powai, Mumbai	29-01-2011	48
	कुल परामर्शदाता (मेंटर) प्रशिक्षित **Total Mentors Trained**		**129**

अभिभावकों के साथ परीक्षा सुधारों के बारे में अन्तः क्रिया सत्र

अध्यक्ष सीबीएसई के साथ बातचीत करके किए जा रहे नये परिवर्तनों के बारे में चिंता का समाधान उपलब्ध कराने के लिए सीईओ/अध्यक्षों/निदेशकों/प्रबंधंकों/ अभिभावकों की संगत मांग को पूरा किया। इस संबंध में पूरे देश में 15 भिन्न–भिन्न स्थानों पर लगभग 2851 विद्यालयों के मालिकों/अभिभावकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

Interactive Sessions on Examination Reforms with Parents

In order to address the consistent demand from Parents / Managers / Directors / Chairpersons / CEO of schools to interact with the Chairman of CBSE regarding the recent changes were held at 15 different places across the country. About 2851 parents/owners of the schools attended these programmes:

क्रम सं. S.No.	क्षेत्र Region	दिनांक Date	प्रतिभागियो की संख्या No. of Participants
1	इलाहबाद Allahabad	4/8/2010	228
2	चेन्नई chennai	2/9/2010	154
3	भुवनेश्वर Bhubaneswar	11/9/2010	295
4	इलाहबाद Allhahabad	14/9/2010	205

5	चेन्नई Chennai	22/9/2010	170
6	इलाहबाद Allhahabad	28/9/2010	143
7	चेन्नई Chennai	3/10/2010	283
8	भुवनेश्वर Bhuaneswar	12/10/2010	204
9	इलाहबाद Allhahabad	21/10/2010	72
10	चेन्नई Chennai	25/10/2010	73
11	पंचकुला Panchkula	8/11/2010	90
12	इलाहबाद Allhahabad	22/9/2010	60
13	अजमेर Ajmer	22/11/2010	58
14	पटना Patna	29/11/2010	66
15	पंचकुला Panchkula	3/11/2010	85
16	गुवाहाटी Guwahati	15/11/2010	45
17	दुर्गापुर Durgapur	10/01/2011	135
18	पुणे Pune	30/01/2011	122
19	जयपुर Jaipur	8/2/2011	226
20	लुधियाना Ludhiana	10/2/2011	137
	कुल **Total**		**2851**

रचनात्मक निर्धारण कार्यक्रम

Formative Assessment Programmes

क्रम सं. S.No.	प्रशिक्षण Training	स्थान Venue	दिनांक Dates	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
1.	गुवाहाटी Guwahati	दिल्ली पब्लिक स्कूल गुवाहाटी Delhi Public School, Guwahati	16/11/10	176
2	इन्दौर Indore	इन्दौर पब्लिक स्कूल इन्दौर Indore Public School,	23/11/10	145
3	चण्डीगढ़ Chandigarh	राजकीय मॉडल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल–10, चण्डीगढ़ Govt. Model Sr. Sec. School Sec-10, Chandigarh	30/11/10	150
4	आगरा Agra	दिल्ली पब्लिक स्कूल आगरा Delhi Public School Agra	14/12/10	180
5	लखनऊ Lucknow	रानी लक्ष्मी बाई ममोरियल स्कूल, लखनऊ Rani Laxmi Bai Memorial School Lucknow	20/12/10	132
6	खतौली Khatuali	लाल दयाल पब्लिक स्कूल मुज्जफर नगर Lal Dayal Public School Muzaffarnagar	12 /12/10	182
7	लुधियाना Ludhiana	ग्रीनलेड कॉनवेंट स्कूल, लुधियाना Greenland Convent School Ludhiana	16/02/11	130
8	भुवनेश्वर Bhubaneswar	डीएवी सीनियर सेकैण्डरी स्कूल चन्द्राशेखरपुर, भुवनेश्वर DAV Sr. Sec. School Chandrashekharpur, Bhubaneswar	15/02/11	202
			कुल **Total :**	**1297**

समावेशन कार्यक्रम

सीबीएसई ने लगभग एक दशक पहले नये संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यो को सशक्त बनाने की अवधारण लागू की थी। इस वर्ष बोर्ड ने 10 समावेशन कार्यक्रम आयोजित किए।

कार्यक्रम के उद्देश्य थेः

- संगत सूचना प्रदान करते हुए सीबीएसई प्रणाली एवं कार्य संचालन के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- उनकी भूमिका, जिम्मेदारियां और बोर्ड के साथ प्रचालन संबंध की एक स्पष्ट समझ प्रदान करना।
- विद्यालय आधारित निर्धारण के प्रति जागरूकता पैदा करना और 2009–10 से कक्षा 9 के लिए सीसीई योजना को सशक्त बनाना।
- रचनात्मक और सारांशात्मक सीसीई के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- बोर्ड द्वारा जारी महत्वपूर्ण परामर्शो के बारे में जागरूकता पैदा करना।

Induction Programmes

The CBSE introduced the concept of empowering principals of newly affiliated schools almost a decade ago. Ten Induction Programmes were conducted this year.

The Objectives of the Programme were:

- To create awareness about the CBSE system and functioning by providing relevant information
- To give a clear understanding of their role, responsibilities and working relationship with the Board.
- To create awareness regarding the School Based Assessment and CCE Scheme being strengthened for Class IX from 2009-2010.
- To create awareness about the Formative and Summative Assessments CCE.
- To create awareness regarding important advisories issued by the Board.

क्रम सं. S. No.	दिनांक Dates	स्थान Venue	प्रतिभागियों की संख्या No of Participants
1.	14.9.10	दिल्ली विद्यालयों के लिए डीपीएस वसुंधरा DPS Vasundhara for Delhi schools	27
2.	22.9.10	नोएडा यूपी के स्कूलों के लिए Noida for UP Schools	37
3.	28.9.10	नागपुर Nagpur	60
4.	12.10.10	भिलाई Bhilai	31
5.	21.10.10	देहरादून Dehradun	30
6.	25.10.10	बंगलूरु Bangaluru	67
7.	08.11.10	जालंधर Jallandhar	42
8.	15.11.10	गुवाहाटी Guwahati	17
9.	22.11.10	इंदौर Indore	29
10.	29.11.10	पटना Patna	18
		कुल **Total**	**358**